Regarding recognizing Ayurveda college, Paprola as institute of National Importance

डॉ. राजीव भारद्वाज (कांगड़ा): सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से आयुष मंत्री आदरणीय जाधव जी का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र में आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला की ओर दिलाना चाहता हूं ।

सभापति महोदया, यह महाविद्यालय हिमाचल प्रदेश में अपनी तरह का एक मात्र संस्थान है । पूरा परिसर पहाड़ियों से घिरा हुआ है । यह हर्बल वनस्पतियों से समृद्ध है । इस महाविद्यालय को भारत सरकार की आयुर्वेद शिक्षा नियामक संस्था, भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त है । भारत के आयुष विभाग द्वारा इस महाविद्यालय को विशेष संस्थान का दर्जा दिया गया है और अलग से पांच करोड़ रुपए की निधि प्रदान की गई है ।

मैं आपके माध्यम से मंत्री जी का ध्यान इसकी ओर दिलाना चाहता हूं कि यह महाविद्यालय राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बने । जब हमारी सरकार हिमाचल प्रदेश में थी तो इसके लिए एक योजना बना कर केन्द्र में भेजी गई थी । हिमाचल प्रदेश में पहाड़ी क्षेत्र के लिए आयुष विभाग की योजना है कि वहां राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान बने । यह सभी पैरामीटर्स पूरा करता है ।

मैं आपके माध्यम से इस ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि यह विद्यालय एड्स जागरूकता, क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, पल्स पोलियो कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लागू करने में पूर्ण सहभागिता प्रदान करता है ।

सभापति महोदया, अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि यह राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बने यानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद । इससे आयुर्वेद के क्षेत्र में विशेष वित्त पोषण होगा, अधिक कार्यकुशलता, गुणवत्ता एवं अनुसंधान में बढ़ोतरी होगी और यह लोकहित में एक बहुत बड़ा निर्णय होगा ।

सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से आयुष मंत्री जी से यह प्रार्थना करना चाहता हूं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।